बिलासपुर में अवैध शस्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़

तमंचों के साथ पकड़े गए दो लोगों की सूचना पर मारा सीओ ने छापा, पुलिस ने मौके से दो लोगों को दबोचा, एक फरार

संवाद न्यूज एजेंसी

बिलासपुर (रामपुर)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सीओ अनुज चौधरी ने कोतवाली पुलिस की मदद से ग्राम मुसर्रफगंज के डंडिया के जंगल में छापामार कार्रवाई कर चार लोगों को अवैध शस्त्र फैक्टरी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं, एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में बनी व अधबनी रायफल, बंदूक और तमंचे बरामद किए हैं।

सीओ अनुज चौधरी के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर उन्होंने कोतवाली प्रभारी प्रिंस शर्मा के साथ रविवार सुबह नैनीताल हाईवे स्थित धनौरा मोड़ पर संदिग्ध लोगों की चेकिंग करनी शुरू कर दी। उन्होंने चेकिंग के दौरान कोतवाली के ग्राम पईपुरा निवासी दलजीत सिंह व गंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला घेर तोंगा निवासी उस्मान को दो तमंचों व कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया।

बिलासपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए गए अवैध शस्त्र व आरोपी। संवाद

पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने उक्त तमंचे डंडिया के जंगल में चल रही तमंचा फैक्टरी से पांच पांच हजार रुपये में खरीदें हैं। पुलिस ने दोनों को साथ लेकर ग्राम मुसर्रफगंज के डंडिया जंगल में अवैध शस्त्र फैक्टरी पर छापा मारा। पुलिस को देख फैक्टरी चलाने वाले तीन लोग भागने लगे। पुलिस ने कार्रवाई कर दो लोगों को दबोच लिया और एक व्यक्ति पुलिस को गच्चा देकर भाग गया। पकड़े गए लोगों में एक ने स्वयं को बरेली जिले के थाना शीशगढ़ के ग्राम मोहम्मदपुर निवासी इशहाक व दूसरे ने कोतवाली के ग्राम अलीनगर कोटा निवासी अवतार सिंह बताया।

उन्होंने फरार साथी का नाम व पता पुलिस को बता दिया है। पुलिस ने मौके से तीन रायफल, तीन बंदूक, दो तमंचे, तीस कारतूस, 17 कारतूस खोखे व काफी मात्रा में अधबने हथियार व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। सीओ का कहना है कि सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

काफी समय से स्थान बदलकर चला रहे थे फैक्टरी

सीओ अनुज चौधरी का कहना है कि इशहाक अहमद अवैध शस्त्र बेचने वाले गैंग का लीडर है, जो अपने साथियों की मदद से काफी समय से हथियार बनाकर बेचने का धंधा कर रहा था। वह बार-बार स्थान बदलकर अवैध शस्त्र फैक्टरी चला रहा था।

पांच हजार में तमंचा व 15 हजार में रायफल : सीओ अनुज चौधरी का कहना है कि इशहाक व अवतार अवैध रूप से तमंचे, बंदूक, रायफल बनाते थे। वह फरार आरोपी को थोक में तमंचा पांच से सात हजार में बेचते थे और रायफल व बंदूक 15 से बीस हजार रुपये में बेचते थे। फरार आरोपी इन हथियारों को महंगे दामों पर बेचता था।

अब कारतूस लाने के ठिकानों पर है पुलिस की नजर : सीओ का कहना है कि कारतूस लाने के ठिकानों के बारे में भी उन्हें पता चला है। अब वह कारसूतों की सप्लाई देने वालों की तलाश में जुटेंगे। सूत्रों का कहना है कि कारतूसों की सप्लाई देने में सीमांत प्रदेश उत्तराखंड के अलावा सीमांत जिला बरेली व स्थानीय कुछ लोगों के नाम प्रकाश में आए हैं, जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

चार साल के मासूम के लिए मसीहा बनी पुलिस

चार घंटे की मशक्कत के बाद मासूम को परिजनों को सौंपा

संवाद न्यूज एजेंसी

मंडी धनौरा। चार साल के एक मासूम के लिए नगर पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी मसीहा बन कर सामने आए। नगर के रामलीला मैदान के पास घूम रहे एक मासूम को पुलिस ने चार घंटे की मशक्कत के बाद परिजनों को सौंप दिया। मासूम के मिलते ही मां-बाप रोने लगे और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

नगर पुलिस चौकी पर तैनात सिपाही मोनू प्रताप सिंह व अनुज कुमार को चार साल का एक मासूम रविवार की सुबह 10.30 बजे रामलीला मैदान के पास अकेला रोता दिखाई दिया। सिपाहियों ने मासूम को रोता देखा तो उसे थाने ले आए। थाने में मासूम कुछ भी नहीं बता पा रहा था। सिपाही मासूम को लेकर नगर के कई मोहल्लों में गए। व्हाटसअप ग्रुप पर भी फोटो शेयर की गई।

बच्चे को मां को सौंपते पुलिसकर्मी।

मस्जिदों से ऐलान कराया गया लेकिन कोई सामने नहीं आया। लगभग दो बजे पालिका सदस्य गुरचरन सिंह ने सिपाही मोनू को सूचित किया कि उनके वार्ड निवासी रिंकू का पुत्र शौर्या गायब है। मोनू के फोटो भेजने पर गुरचरन ने वह फोटो रिंकू को दिखाया तो वे अपने बेटे को पहचान गए। दोपहर दो बजे पिता रिंकू व माता पूजा पुलिस चौकी में जाकर अपने पुत्र को ले आए।